प्रेस विज्ञप्ति

भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक का कार्यालय

16 नवंबर 2025
नई दिल्ली

माननीय उपराष्ट्रपति ने आज सीएजी के ऑडिट दिवस 2025 का उद्घाटन किया
सुधार, दूरदर्शिता एवं नवप्रवर्तन के एक प्रगतिशील साधन के रूप में लेखापरीक्षा: माननीय उपराष्ट्रपति

भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक ने परिवर्तन के चार स्तंभ रेखांकित किए— हितधारक सहभागिता, डिजिटल परिवर्तन, विकसित भारत 2047 के साथ संरेखण तथा क्षमता निर्माण।

भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने आज नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में ऑडिट दिवस समारोह का उद्घाटन किया। ऑडिट दिवस भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक संस्था की स्थापना के 166वें वर्ष के शुभारम्भ का प्रतीक है तथा सार्वजनिक संसाधनों के प्रबंधन में पारदर्शिता, जवाबदेही तथा सुशासन को बढ़ावा देने में इसकी भूमिका का कीर्तिगान करता है।

इस अवसर पर माननीय उपराष्ट्रपति ने सुशासन के संवर्धन में सहायक के रूप में कार्य करने तथा कार्यपालिका की जवाबदेही को सुदृढ़ करने हेतु लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं में परिवर्तन लाने में संस्थान की महत्वपूर्ण प्रगति की सराहना की। उन्होंने यह रेखांकित किया कि लेखापरीक्षण अब केवल एक अतीतमुखी - प्रक्रियानहीं रह गया है, बल्कि सुधार, दूरदृष्टि और नवाचार का एक भविष्यमुखी साधन बन गया है।

माननीय उपराष्ट्रपति ने आईआईटी और आईआईएम जैसी प्रतिष्ठित शैक्षणिक एवं पेशेवर संस्थाओं के साथ संस्थागत सहयोग के माध्यम से क्षमता निर्माण के क्षेत्र में हाल ही में की गई पहलों के लिए सीएजी संगठन की सराहना की । उन्होंने आर्थिक, सामाजिक, तकनीकी, पर्यावरणीय और संस्थागत क्षेत्रों में समग्र विकास की दिशा में सरकार के प्रयासों में एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में सीएजी की भूमिका पर विश्वास व्यक्त किया, जिससे विकसित भारत 2047 की दिशा में राष्ट्र की प्रगति का मार्ग प्रशस्त होगा।

माननीय उपराष्ट्रपति ने एशियाई सर्वोच्च लेखापरीक्षा संस्थानों के संगठन (एसोसाई) के अध्यक्ष तथा अंतरराष्ट्रीय सर्वोच्च लेखापरीक्षा संस्थानों के संगठन (इंटोसाई) की अनेक समितियों के अध्यक्ष के रूप में अंतर्राष्ट्रीय लेखापरीक्षा क्षेत्र में सीएजी की उपलब्धियों की सराहना की तथा उन्होंने नैतिक, पारदर्शी और प्रौद्योगिकी-सक्षम लेखापरीक्षा के वैश्विक मानक स्थापित करने में भारत की सर्वोच्च लेखापरीक्षा संस्था के योगदान को भी सराहा।

अपने संबोधन में भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक श्री के. संजय मूर्ति ने सतत सुधार, तकनीकी नवाचार एवं ज्ञान-साझाकरण के माध्यम से सार्वजनिक जवाबदेही को सुदृढ़ करने के प्रति संस्था की

प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने संस्थान के जारी परिवर्तन को दिशा देने वाले चार आधारभूत स्तंभों का उल्लेख किया: हितधारक सहभागिता, डिजिटल परिवर्तन, विकसित भारत 2047 के अनुरूपता, और क्षमता निर्माण।

हितधारक सहभागिता के अंतर्गत, उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि संस्था पूर्व-लेखापरीक्षा सहभागिता सहित भागीदारों के साथ चल रही बातचीत के माध्यम से सहयोग को सुदृढ़ कर रही है। सार्वजनिक वित्त से संबंधित आँकड़े अब सुगम प्रारूपों में उपलब्ध कराए जा रहे हैं, और जनसंपर्क का विस्तार विद्युत, शहरी विकास तथा पंचायती राज जैसे प्रमुख क्षेत्रों तक किया जाएगा। सीएजी ने यह भी अवगत कराया कि प्रमुख निष्कर्ष और अनुशंसाएँ प्रबंधन पत्रों के माध्यम से भारत सरकार के साथ साझा की जा रही हैं, जिनमें एकीकृत वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (आईएफएमएस) जैसी क्षैतिज लेखापरीक्षाओं से प्राप्त उत्तम प्रथाओं और सुधार के क्षेत्रों को रेखांकित किया गया है। सीएजी ने शिक्षाविदों और शोधार्थियों तक पहुंचने के लिए संगोष्ठियों के आयोजन में आईसीएसएसआर के साथ को रेखांकित किया।

डिजिटल परिवर्तन के अंतर्गत, सीएजी ने दूरस्थ और हाइब्रिड लेखापरीक्षण की दिशा में हुए महत्वपूर्ण बदलाव को - रेखांकित किया, जिसके तहत फील्डवर्क से पूर्व ऑडिटी डेटाबेस की अनिवार्य डेस्क समीक्षा की जाती है, ताकि अपवादिक प्रवृत्तियों परीक्षण अधिक केंद्रित एवं उद्देश्यपूर्ण बनाया -की पहचान हो सके और लेखा (आउटलायर्स) जा सके। उन्होंने सीएजी-कनेक्ट पोर्टल के शुभारंभ की घोषणा की, जो लगभग 10 लाख लेखापरीक्षित इकाइयों को वास्तविक समय में लेखापरीक्षा कार्यालयों से जोड़ने वाला एक सुसंगत डिजिटल मंच है। उन्होंने सीएजी-एलएलएम के विकास की भी जानकारी दी, जो एक स्वदेशी रूप से निर्मित वृहद भाषा मॉडल है जिसका उद्देश्य संस्थागत ज्ञान का लाभ उठाना और आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस-संचालित लेखापरीक्षा विश्लेषण को सक्षम बनाना है।

विकसित भारत 2047 के साथ अनुरूपता पर बोलते हुए, उन्होंने कहा कि संगठन ने विकसित भारत के राष्ट्रीय मिशन के प्रवर्तक के रूप में कार्य करने के लिए अपनी लेखापरीक्षा प्राथमिकताओं को पुनः संरेखित किया है, जिसमें शहरी स्थानीय सरकारों के निष्पादन का आकलन करने और 100 प्रमुख शहरों में जीवन की सुगमता का मूल्यांकन करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। इसके बाद एमएसएमई और स्टार्ट-अप पर ध्यान केंद्रित करते हुए ईज़ ऑफ़ डूइंग बिज़नेस पर लेखापरीक्षाएँ की जाएँगी, ताकि प्रक्रिया एकीकरण, शिकायत निवारण और उपयोगकर्ता अनुभव जैसे महत्वपूर्ण कारकों का आकलन किया जा सके, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सुधारों का लाभ उद्यमियों तक ठोस रूप में पहुँचे।

क्षमता निर्माण के स्तंभ पर, सीएजी ने सूचना प्रोद्यौगिकी लेखापरीक्षा के लिए डेटा साइंस, आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस और साइबर सिक्योरिटी में अत्याधुनिक प्रशिक्षण पहलों के माध्यम से भविष्य के लिए तैयार कार्यबल के विकास पर जोर दिया। उन्होंने एआई चैम्पियंस के रूप में युवा अधिकारियों के एक समर्पित समूह के निर्माण के बारे में जानकारी दी, जो नवीन, आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस -संचालित लेखापरीक्षा परियोजनाओं का नेतृत्व कर रहे हैं। संस्थान के 40,000 से अधिक अधिकारियों और कर्मचारियों की शक्ति को स्वीकारते हुए उन्होंने कहा कि उनकी व्यावसायिकता दृष्टिकोण, समर्पण और रचनात्मकता ही इस संस्थान की सबसे बड़ी पूँजी है।

श्री मूर्ति ने अपने संबोधन का समापन करते हुए यह पुनः स्पष्ट किया कि सीएजी का संकल्प केवल पूर्व के अभिलेखों का परीक्षक बने रहना नहीं है, बल्कि शासन में एक प्रगतिशील साझेदार के रूप में कार्य करना है।

ऑडिट दिवस समारोह में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें अभिनवता और उत्कृष्टता के लिए सीएजी के पुरस्कार प्रदान करना, लेखापरीक्षा हेतु आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस तकनीक से संबंधित हाल ही में की गई नई पहलों पर तकनीकी प्रस्तुतियाँ, तथा हितधारकों के साथ संचार को बेहतर बनाने और संगठन के भीतर सीखने की क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से नए सॉफ़्टवेयर का शुभारंभ शामिल थे। 'माईभारत' पोर्टल के माध्यम से सीएजी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय ऑनलाइन निबंध लेखन प्रतियोगिता के विजेताओं को इस अवसर पर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता की हिंदी और अंग्रेज़ी श्रेणियों में क्रमशः श्री भास्कर कुमार और मास्टर अद्वैत सजीव को प्रथम पुरस्कार का विजेता घोषित किया गया।

पाँच एआई चैम्पियंस ने उनके द्वारा शुरू किए गए पाँच पायलट आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस परियोजनाओं का प्रदर्शन करते हुए यह दिखाया कि लेखापरीक्षा और लेखांकन कार्यों में परिचालन दक्षता बढ़ाने और अधिक प्रभाव सुनिश्चित करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग कैसे किया जा सकता है।

उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन 16 नवंबर, 2025 को नई दिल्ली में भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के लेखापरीक्षा दिवस का उद्घाटन करते हुए।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक श्री के संजय मूर्ति 16 नवंबर, 2025 को नई दिल्ली में लेखापरीक्षा दिवस पर उपराष्ट्रपति श्री सी पी राधाकृष्णन को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए। साथ में उप भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक श्री सुबीर मलिक, श्री जयंत सिन्हा और श्री के एस सुब्रमण्यन हैं।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक श्री के. संजय मूर्ति 16 नवंबर, 2025 को नई दिल्ली में आयोजित लेखापरीक्षा दिवस पर संबोधित करते हुए।

BSC/SS/IK/80-25